कान्हा आजा गोकुल माई मारो मन घणो घबरावे

कान्हा आजा गोकुल माई,
मारो मन घणो घबरावे,
मन घणो घबरावे मारो,
दिल घणो घबरावे रे,
कान्हा आजा गोकुल माहि,
मारो मन घणो घबरावे।bd।

नींद नहीं आवे माने,
चैन नहीं आवे रे,
मोहना आजा गोकुल माय,
मारो मन गणो घबरावे।bd।

आप रे कारणिये मोहन,
घरु बेर किना रे,
वृन्दावन आजा आज,
मारो मन गणो गबरावे।bd।

माखन खायो कान्हा,
थे मटकिया फोड़ रे,
थाने मारे यशोदा माय,
मारो मना गणों घबरावे।bd।

धरम तंवर थाने विनती करिया रे,
ओ कान्हा बेगो बेगो आव,
मारो जीवड़लो हरसावे।bd।

कान्हा आजा गोकुल माई,
मारो मन घणो घबरावे,
मन घणो घबरावे मारो,
दिल घणो घबरावे रे,
कान्हा आजा गोकुल माहि,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक और लेखक – धर्मेंद्र तंवर।
Mobile 9829202569

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com